substantial. I cannot just now give the figure from non-Government hotels but I may say we are getting enough quantity of food packets.

डा0 कर्ण सिंह : एक समय था जब इंडियन एयरलाइंज के ऊपर अच्छा खाना भोजन मिलता था। लेकिन हम देख रहे हैं कि अब किराया तो बढ़ता जा रहा है और भोजन घटता जा रहा है और निमित मात्र रह गया है। इंटरनेशनल एयरपोर्ट अथोरिटी आफ इंडिया ने फ्लाइट किचंज बनाए हैं। इस वास्ते कि उन मे अच्छा भोजन एयर इंडिया और इंडियन एयर लाइंज को वे देंगे। लेकिन लग रहा है कि फ्लाइट किचंज अभी तक चल नहीं रहे हैं। क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि फ्लाइट किचंज के विस्तार की भी कोई योजना है ?

भोजन देना ही है तो इतना तो दें जिससे थोडा सा पेट तो भरे और कम से कम आधा तो भरे और वह निमित्त मात्र न हो।

श्री चन्दू लाल चन्द्राकर : फ्लाइट किचंज मे ही सर्व होता है। उन की क्वालिटी को इम्प्रूव करने के लिए हम ने कुछ नार्म्ज सैट किए हैं। किस तरह से क्वालिटी कंट्रोल हो और किस तरह का खाना मिले, इसके बारे में कुछ नार्म्ज सैट किए हैं। इस के साथ-साथ और भी जो प्राइवेट केटरर सर्व करते हैं उन के बारे में भी यही चीज लागू होती है।

जहां तक विस्तार का सवाल है, धीरे-धीरे कुछ क्षेत्रों में हम इसको बढ़ाते जा रहे हैं ताकि कही ऐसा न हो कि क्वालिटी गिर जाए। विस्तार जो कर रहे हैं उस की रफ्तार धीमी अवश्य है लेकिन निरंतर इस बात को ध्यान में रख कर हम उस का विस्तार करते जा रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय : खुराक की ज्यादा बात करना ठीक नही रहेगा।

श्री सत्यनारायण राव : मंत्री महोदय ने प्रश्न के क भाग के उत्तर में बताया है कि कोई पैनल नियुक्त नहीं किया है। जहां तक मेरा खयाल है मंत्री महोदय ने इस से पहले एक पैनल एप्वाइंट किया था जिस के हमारे लकप्पा साहब भी मैम्बर थे। उन्हों ने दो साल तक पूरा हिन्दुस्तान घूमा था और बताया था कि इम्प्रूमेंट किस तरह से हो सकता है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या यह सच है और अगर नहीं तो उन को कैसे मैम्बर बनाया गया था और कैसे वह घूमे फिरे थे ?

डा० कर्ण सिंह ने कहा है कि आप किराया तो ज्यादा करते जा रहे हैं लेकिन आप की फूड की क्वालिटी बहुत खराब है। जो रस्क है इस को खाने से आदमी बीमार हो जाता है। क्या आप लोगों को बीमार करना चाहते हैं ? इस चीज पर गौर कर के क्या आप कुछ इम्प्रूवमेंट करने की कोशिश करेंगे या पैसेन्जर्स इसी तरह से सफर करते रहेंगे।

श्री चन्दू लाल चन्द्राकर : जैसा कि पहले ही सदस्य ने कहा कि एक कमेटी थी जिस में लकप्पा साहब थे, तो मैं उन को एक चीज बता दूं कि अभी भी ऐसी 3 कमेटि हैं। यह कमेटियां भोजन, कैटरिंग के सिलसिले में नही हैं। एक हाई लैवल कमेटी है जो कि मिनिस्टर लैवल पर है। दूसरी मैनेजर्स लैवल पर है और तीसरी डी0 जी0 सी0 ए0 लैवल पर है। जैसा मैंने पहले बताया फूड को इम्प्रूव करने के लिये पैनल कमेटी नही है, लेकिन यह जो तीन कमेटियां चल रही हैं इनके जरिए हम इस बात की कोशिश कर रहे हैं कि खाने के सिलसिले में शिकायतें हैं, उन को दूर किया जाए। हर लैवल पर, हर संस्थान से, होटल से हम इस चीज पर जोर दे रहे हैं कि अच्छे से अच्छा भोजन दिया जा सके। जैसा हमारे दोस्त ने बताया कि पेय जल से भी बीमार हो जाते है, इस के बारे में मैं ज्यादा नही कह सकती, लेकिन यह जरूर कह सकता हूं कि अच्छे से अच्छा भोजन और साथ ही साथ पेय जल मिले, इस बारे में विचार किया जाएगा।

अध्यक्ष महोदय : प्रश्न सं0 503, श्री मनफूल सिंह। . . . . .

मैं यह बताने जा रहा था कि मैं सब के नाम नोट कर के रख रहा हूं, जो गैर-हाजिर हैं।

Master Plan for Mewar Complex for Tourist Facilities

*503. SHRI MANPHOOL SINGH CHAUDHARY: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government propose to prepare a master plan for the Mewar complex for development of tourist facilities; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI CHANDULAL CHANDRAKAR): (a) and (b). A master plan (land-use plan) is being prepared of the Mewar Complex with a view to ensuring that whatever development takes place in the area is undertaken in a regulated manner and that the natural environment of the area is not spoilt by haphazard growth. This master plan (land-use plan) is being prepared by the Central Department of Tourism through the Town & Country Planning Organisation of the Ministry of Works & Housing. The places covered by the master plan (land-use plan) are Haldighati, Rakt Talia. Kumbhalgard,

Chawand and Gogunda. The preparation of the master plan (land-use plan) of Mewar Complex is expected to be completed during 1980-81.

The tourist facilities to be provided in this area based on the master plan (land-use plan) will be determined in consultation with the State Government depending upon inter-se priorities and subject to availability of funds.

श्री मनफूल सिंह चौधरी : इस कम्प्लैक्स में 1980-81 में कितना खर्च किये जाने का प्रावधान है ?

श्री चन्दूलाल चन्द्राकर : अभी तो इस कम्पलैक्स के बारे में वर्क्स हाउसिंग मिनिस्ट्री के टाउन एंड कंट्री प्लानिंग आर्गेनाइजेशन को काम सौंपा है, उन को 3 लाख 50 हजार रुपए भी दिया गया है। उस के साथ साथ कुछ समय पहले इस इलाके में मेवाड़ कम्पलैक्स के लिए 1 लाख रुपया अभी तक रिलीज किया गया है। आगे चल कर जैसे ही रिपोर्ट आएगी, जो हम ने काम सौंपा है मास्टर प्लान बनाने का जो कि टाउन एंड कंट्री प्लानिंग आर्गेनाइजेशन को दिया है, वह जो नक्शा पेश करेंगे, उस के पश्चात् ही स्टेट गवर्नमेंट से सलाह ले कर उस के पैसे के सम्बन्ध में तय किया जायेगा।

श्री राम सिंह यादव : क्या रणकपुर टैम्पिल को भी इस में शामिल करेंगे ?

श्री चन्दूलाल चन्द्राकर : वह भी इस में शामिल करेंगे।

श्री मूल चन्द डागा : आप ने इस प्लान के लिये कब तक तारीख मुकर्रर की है, यह कब तक आ जायेगी यह बता दें। आप ने जो उत्तर दिया है, यह जनरल उत्तर है।

श्री चन्दूलाल चन्द्राकर : मैं ने बताया कि जो टाउन एंड कंट्री प्लानिंग आर्गेनाइजेशन को काम दिया है, वह बहुत जल्दी ही अपनी रिपोर्ट देगी, ऐसा मैं ने बहुत साफ साफ कहा है, शायद सुनने मे नही आया। मैंने कहा है कि

the preparation of the master plan (land-use plan) of Mewar Complex is expected to be completed during 1980-81.

श्री झारखण्डे राय : मेवाड़ कम्पलैक्स में जिन स्थानों की चर्चा मंत्री महोदय ने की है, क्या उन में नाथद्वारा, जो मंदिरों का बहुत बड़ा समूह है, और एक लिंग महादेव, जो सिसोदिया वंश के इष्टदेव रहे हैं, इन दो स्थानों को भी शामिल किया जायेगा।

श्री चन्दूलाल चन्द्राकर : हम माननीय सदस्य के सुझाव पर विचार करेंगे।

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER: Chittorgarh is te centre of Rajput chivalry. In the master plan for the Mewar Complex, however, Chittorgarh has not been included. I would like to know whether Chittorgarn will be included in this master plan.

SHRI CHANDULAL CHANDRAKAR: This is a suggestion which I have noted.

डा० कर्ण सिंह : अध्यक्ष महोदय, प्रश्न का जवाब नही आया है। चित्तौड़ के बिना मेवाड़ की क्या शोभा होगी ?

अध्यक्ष महोदय : उन्हों ने नोट कर लिया है।

Marketing of Cardamom

*504. SHRI D. M. PUTTE GOWDA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that in spite of forming Cardamom Board, the commodity is not being marketed externally and internally through it as is done in the case of coffee;

(b) whether it is a fact that cardamom-growers in Karnataka are getting very low price, even though the Ministry's statements show high figures;

(c) whether it has come to the knowledge of Government that the present marketing has only helped a few persons who directly export cardamom and who want to conceal the transactions for avoiding taxes; and

(d) what measures Government propose to take to give proper returns to grower, to standardise the different varieties of cardamom, to do research for disease resistance and produce high yielding varieties of cardamom plants?